১.

২.

৩.

৪.

৫.

৬.

৭.

बाबा जब अवतरित होते हैं तो पूरे ८४ जन्मों की कहानी सुनाकर सारे सृष्टि चक्र का गुह्य राज समझाते हैं, जिसे दुसरे शब्दों में स्वदर्शन चक्र भी कहते हैं याने स्व का दर्शन करना| इस ८४ स्वमानों की सीढी में आत्मा के अनादि, आदि, मध्य, संगम और अंतिम स्वरुप के अनुसार विभिन्न स्वमान दर्शाये गये हैं /जो इन स्वमानो में स्थित रहेगा वह ८४ जन्म में आयेंगे /